

an>

Title: Need to increase wages of workers employed in Mid day meal scheme in Chandauli in Uttar Pradesh.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से अति लोक महत्व के विषय को सदन में उठाना चाहता हूँ।

महोदया, सरकार मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक मध्य विद्यालयों में बच्चों को भोजन उपलब्ध कराती है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं रसोइया के रूप में कार्य करके अपना जीवनयापन और भरण-पोषण करती हैं। लेकिन कभी-कभी चर्चा में आता है कि बहुत सी सरकारों भोजन कहीं से पक्का कर भेजेंगी। ऐसा होने से न केवल बच्चों के पोष्टिक भोजन की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ेगा, अपितु उन गरीब महिलाएं, जो हर गांव में रोजगार पाती हैं, उनकी आमदनी के एकमात्र साधन पर भी असर पड़ेगा। जब कि मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत भोजन उपलब्ध कराने का मानदेय 12 महीने में से केवल 10 माह ही दिया जाता है और वह भी मात्र एक हजार रुपये प्रति माह और दस हजार रुपये प्रति वर्ष ही होता है। यह केवल 27-28 रुपये प्रतिदिन होता है। इतनी कम मजदूरी तो देश ही नहीं, पूरे विश्व में कहीं नहीं है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि मशीनों से भोजन उपलब्ध कराने से केवल कुछ बड़े कैटरिंग मालिकों को ही लाभ होगा और इन गरीब महिलाओं का रोजगार खिन जाएगा। अतः सरकार से इनके मानदेय में वृद्धि के विचार के साथ-साथ मेरा निवेदन है कि इस पर भी विचार किया जाए कि मशीनों के माध्यम से भोजन उपलब्ध कराने की बजाय राज्यों को निर्देश दिए जाए कि इन महिलाओं को कौशल विकास योजना के माध्यम से उत्त स्तर पर प्रशिक्षित किया जाए और विद्यालय परिसर में ही उत्त गुणवत्ता का भोजन बनाया जाए और उसके लिए संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएं। इन गरीब महिलाओं, जिनका प्रतिदिन का मानदेय केवल 27 रुपये ही पड़ता है, इनको कम से कम पांच हजार रुपये प्रति माह दिया जाए और पूरे 12 महीने दिया जाए। यह गरीब महिलाओं की बहुत बड़ी मदद होगी। यही मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करता हूँ।

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. मनोज राजोरिया,

श्री गैरों प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री सी.आर. चौधरी,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Madam, I stand here to raise a very important issue which deals with the prestige of this nation.

HON. SPEAKER: That is why, I have given you first chance to speak.